लक्ष्मी जी की आरती pdf

ॐ जय लक्ष्मी माता,

मैया जय लक्ष्मी माता।

तुमको निशिदिन सेवत,

हरि विष्णु विधाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

उमा, रमा, ब्रह्माणी,

तुम ही जग-माता।

सूर्य-चन्द्रमा ध्यावत,

नारद ऋषि गाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

दुर्गा रूप निरंजनी,

सुख सम्पत्ति दाता।

जो कोई तुमको ध्यावत,

ऋद्धि-सिद्धि पाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

तुम पाताल-निवासिनी,
तुम ही शुभ-दाता।
कर्म-प्रभाव-प्रकाशिनी,
भवनिधि की त्राता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

जिस घर में तुम रहतीं,
सब सद्गुण आता।
सब सम्भव हो जाता,
मन नहीं घबराता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

तुम बिन यज्ञ न होते,
वस्त्र न कोई पाता।
खान-पान का वैभव,
सब तुमसे आता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

शुभ-गुण मन्दिर सुन्दर,
क्षीरोदधि-जात।
रत्न चतुर्दश तुम बिन,
कोई नहीं पाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

महालक्ष्मी जी की आरती,
जो कोई जन गाता।
उर काशी, नीराधार,
सुख सम्पत्ति पाता॥ ॐ जय लक्ष्मी माता॥

www.festivalhindu.com